राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

ज्ञान को बढ़ाने में भाषा को बाधक न बनने दें : सिन्हा

- यूटीयू में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस
- डा. आशीष बगवाड़ी को बेस्ट रिसर्चर ऑफ ईयर अवॉर्ड मिला
- डा. जितेन्द्र सिंह रौथाण व रचना आर्य को बेस्ट टीचर अवॉर्ड

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर विवि द्वारा डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। साथ ही प्राध्यापकों को बेस्ट टीचर ऑफ ईयर एवं बेस्ट रिसर्चर ऑफ ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

बृहस्पतिवार को विवि के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्र में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण के अवसर पर उपलब्ध होने से छात्रों की कक्षाओं के प्रति रूझान कम हुआ है जिससे निपटने के लिए शिक्षण शैली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। तकनीकी शिक्षा सचिव डा. रंजीत सिन्हा कहा कि अपने ज्ञान को बढ़ाने व सीखने के रास्ते में भाषा को बाधक न बनने दें। विवि के संस्थापक कुलपति प्रो. वीके तिवारी ने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य के निर्माता हैं। पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी ने कहा कि समाज व देश की उन्नति में तकनीकी का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

इस मौके पर महिला प्रौद्योगिकी संस्थान में इलैक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन विभाग के डा. अशीष बगवाड़ी को उत्तराखण्ड तकनीकी विवि बेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड एवं डा. जितेन्द्र सिंह रौथाण (कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग जीबी पंत इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट पौड़ी) और रचना आर्य (इलैक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन विभाग वीटीकेआईटी द्वाराहाट) को तकनीकी विवि बेस्ट टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डा. सुधा रानी पांडे द्वारा लिखित पुस्तक 'अमरत्व की ओर' की समीक्षा अनिल रतूड़ी द्वारा की गई। कुलसचिव डा. सत्येन्द्र सिंह ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल, डा. मनोज कुमार पाण्डा, डा. विशाल रमोला आदि मौजूद थे।

बेस्ट रिसर्चर ऑफ ईयर अवॉर्ड ग्रहण करते डा. आशीष बगवाड़ी।